आज़ादी के पचहत्तर वर्ष :

15 अगस्त 1947 को हमारा देश ब्रिटिश शासन से मुक्त होकर एक स्वतंत्र राष्ट्र बना था । 14 और 15 की मध्यरात्रि को कई विद्रोह के बाद भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी । हमें स्वतंत्र हुए आज पूरे 75 वर्ष हो गए हैं हमारा भारत 200 वर्ष तक अंग्रेजों के अधीन था जिसके बाद हमारे देश में आजादी के लिए काफी लड़ाई लड़ी गई। जिसमें बहुत से महापुरुषों ने अपना बलिदान दिया और भारत को एक स्वतंत्र देश बनाया । इस वर्ष हम स्वतंत्रता दिवस की 75 वी वर्षगांठ मना रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में पूरा देश हर वर्ष पूरे हर्ष और उल्लास के साथ इस दिन को राष्ट्रीय त्योहार के रूप में मनाता है।इस शुभावसर पर स्कूल - कॉलेज और भारत के सभी संस्थानों में तिरंगा फहराया जाता है। इस दिन बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेते हैं और कई तरह के मनोरंजक,प्रेरक कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

न हिंदू हैं न मुस्लिम
हम तो हैं भारतवासी ।।
बरसों पहले तोड़ दी हमने
अंग्रेजों की गुलामी।।
अब है , भ्रष्टाचार को देश से
खदेड़ने की बारी ।।

इस दिन देश के प्रधानमंत्री जी भारत की राजधानी दिल्ली के लाल किला पर झंडा फहराते हैं और इसके बाद राष्ट्रगान गाया जाता है।साथ ही 21 तोपों की सलामी भी दी जाती है। इसके उपरांत प्रधानमंत्री जी लाल किले से पूरे देश को संबोधित करते हैं और स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में वहां और भी बहुत से लोग और बच्चे उपस्थित होते हैं। स्वतंत्रता दिवस के दिन हमारे सैनिक और एनसीसी कैडेट परेड करते हैं और विभिन्न राज्यों की झांकियां निकाली जाती हैं तथा बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं । प्रधानमंत्री जी के द्वारा दिया गया भाषण तथा लाल किले पर किए जाने वाले सभी कार्यक्रम लाइव प्रसारण किए जाते हैं । इस भाषण को पूरा देश अपने रेडियो और टेलीविजन के माध्यम से सुनता है।

भारत को आजादी दिलाने में कुछ महापुरुषों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । उन्होंने अपना बलिदान दे कर हमें एक स्वतंत्र राष्ट्र प्रदान किया है । इनमें से कुछ महापुरुषों के नाम इस तरह हैं - भगत सिंह , रानी लक्ष्मीबाई , चंद्रशेखर आजाद , सुभाष चंद्र बोस तथा अत्यंत महत्वपूर्ण नाम हम सबके प्रिय श्री महात्मा गांधी जी । इस दिन जब हम आजादी के 75 वी वर्षगांठ मना रहे हैं तब हमें सभी महापुरुषों की याद आती है । उनकी कुर्बानियों को स्मरण किया जाता है । आज के दिन स्कूलों में छात्र-छात्राओं में मिष्ठान का वितरण किया जाता है

। इस दिन सभी सरकारी कार्यालय का अवकाश रहता है । स्वतंत्रता दिवस को सभी राज्य के मुख्यमंत्री अपने राज्यों में ध्वजारोहण करते हैं । आजादी के 75 वर्षीय वर्षगांठ को इस बार अत्यंत धूमधाम से आयोजित किया गया था ।सभी बहुत प्रसन्न थे। अगस्त 2023 को भारत की स्वतंत्रता का 75 वर्ष पूरा हो जाएगा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च 2021 को अहमदाबाद के साबरमती आश्रम में आजादी के अमृत महोत्सव का उद्घाटन किया था , क्योंकि उस दिन महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह की शुरुआत की थी । यह महोत्सव 15 अगस्त 2023 तक चलेगा। आजादी के इस अमृत महोत्सव को मनाए जाने के कुछ कारण हैं -

पहला यह कि भारत को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली थी। दूसरा यह कि देश की स्वतंत्रता के लिए जिन राष्ट्र सपूतों ने बलिदान दिया और बहुत कष्ट सहे उन्हें याद करने का दिन है। इन कारणों से आजादी के अमृत महोत्सव के माध्यम से देश के लोगों को स्वतंत्रता और लोकतंत्र के सही मायने बताना बहुत जरूरी है और यह भी बताना जरूरी है कि इस दिन भारत ने क्या उपलब्धि हासिल की थी।आजादी का महोत्सव किसी विशेष जाति धर्म अथवा राज्य के लिए नहीं बल्कि संपूर्ण भारत के लिए महत्वपूर्ण है। इस राष्ट्रीय महोत्सव के दौरान सभी सरकारी भवन और घरों पर तिरंगा फहराया गया और कुछ जगहों पर रैलियां भी निकाली गई, स्कूलों के बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अपनी कला के माध्यम से आजादी के महोत्सव को मना रहे थे।

भारत को विश्व अर्थव्यवस्था में एक शक्ति माना जाता है। भारत में युवाओं की संख्या बहुत अधिक है , जो अपनी काबीलियत से लगातार उन्नति और सफलता के परचम लहरा रहे हैं। देश के विकास में सहयोग कर रही हैं । आत:आज भारत एक परमाणु शक्ति होने के साथ - साथ ही बड़ी सैन्य शक्ति भी है।

झुककर करो उनको सलाम,

जिनके हिस्से में आया ये मुकाम ।

खुशनसीब हैं वे लोग ,

जिनका खून आया देश के काम ।।

नाम: रूबी जोगेंद्र यादव

क्लास: कॉमर्स,द्वितीय वर्ष